लीलावती एम. कवि

अकादेमी पुरस्कार : पुतुल कला

1934 लाहौर में जन्मी, श्रीमती लीलावती एम. कवि ने पिछले चालीस वर्षों में विभिन्न भूमिकाओं और पदों पर रहते हुए कठपुतली खेल, और पारंपरिक कलाओं के निमित्त कार्य किया है। आपने कला प्रदर्शन दर्पण अकादमी, अहमदाबाद (1966–1970) में मेहर कांट्रेक्टर के अंतर्गत कठपुतली खेल में प्रशिक्षण प्राप्त किया, और बाद में उसी संस्थान से नाट्यकला (1965–67) में प्रशिक्षण प्राप्त किया. वह एक प्रशिक्षित फिल्म निर्माता हैं, और गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में अभ्यागत शिक्षक के रूप में नियुक्त हैं. जहां वह विकास संचार व पत्रकारिता का विषय पढ़ाती हैं।

श्रीमती कवि ने लगभग पूरे भारतवर्ष में अपने कठपुतली खेल का प्रदर्शन किया है, और इसके अतिरिक्त वह इस क्षेत्र में अपने पति महिपत कवि की भी मदद करती हैं, जो कठपुतली का खेल दिखाने के लिए सर्वप्रसिद्ध हैं। आपने महापति कवि द्वारा राजस्थान के पारंपरिक कठपुतली खेल की एक कथा के प्रमुख ऐतिहासिक पौराणिक नायक अमर सिंह राठौर पर किए जा रहे शोध कार्य में काफी मदद की है। आपने महापति कवि द्वारा उमर–मार्वी पर निर्मित एक फिल्म के प्रस्तुतिकरण में भी सहायता की है। आप गुजरात में कलाओं के विकास हेतु कार्य कर रहे कई संस्थानों की एक सक्रिय सदस्य हैं।

उन्हें थिएटर और मीडिया सेंटर, बेड्रेटी ट्रस्ट, अहमदाबाद से लाइफ़टाइम अवार्ड(2010), और जसुबेन शिल्पी आर्ट फाउंडेशन की ओर से नारी शक्ति पुरस्कार (2013) प्राप्त हुआ है।

श्रीमती लीलावती एम. कवि को गुजरात पुतुल कला में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।